पेज थ्री देहरादून

ऋषिकेश में गंगा के जलस्तर में हुई वृद्धि।

देहरादून मंगलवार 11 अगस्त 2020 पेज 8

हमारा दून

संक्षिप्त समाचार

सीएम से क्रिकेट एसो. ऑफ उत्तराखण्ड के पदाधिकारियों ने की मुलाकात

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से मुख्यमंत्री आवास में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने राज्य में क्रिकेट गतिविधियों के सम्बंध में मुख्यमंत्री से चर्चा की। मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश में क्रिकेट की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए यथा सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखण्ड द्वारा मुख्यमंत्री राहत कोष में कोविड– 19 महामारी की रोकथाम हेतु 15 लाख की धनराशि का चेक भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष जोत सिंह गुन्सोला, उपाध्यक्ष संजय रावत, सचिव महिम वर्मा, सह सचिव अवनीश वर्मा आदि उपस्थित थे।

ऋषिकेश में गंगा के जलस्तर में हुई वृद्धि

संवाददाता ऋषिकेश। गढ़वाल मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर जारी बारिश के कारण गंगा की सहायक नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे ऋषिकेश में गंगा के जल स्तर में भी वृद्धि दर्ज की गई है। ऋषिकेश में गंगा चेतावनी रेखा से 40 सेंटीमीटर नीचे बह रही है। यहां 339.50 मीटर में चेतावनी रेखा निर्धारित है। त्रिवेणी घाट में आरती स्थल जल मग्न हो गया है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए केंद्रीय जल आयोग ने प्रशासन को अलर्ट जारी किया है।

कुर्सी बचाने के लिए गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी किया घोषित

संवाददाता देहरादून। अगस्त क्रांति की 78वीं वर्षगांठ पर गैरसैंण के रामलीला मैदान में कांग्रेस राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने तिरंगा फहराकर भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृतियों को ताजा कर स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों को नमन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। कहा कि सीएम त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कुर्सी बचाने के लिए भराड़ीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित किया। इसी का नतीजा है कि ग्रीष्मकालीन राजधानी घोषित होने के चार माह बाद भी यहा विकास नजर नहीं आ रहा है।

दून में बरसाती नदियां ऊफान पर

संवाददाता देहरादून। रात भर लगातार बारिश होने से दून में बरसाती नदियां ऊफान पर हैं। रिस्पना और बिंदाल नदी ने तो कहर बरपा दिया। कई घरों में पानी घुस गया। कैंट विधानसभा क्षेत्र में श्रीदेव सुमन नगर वार्ड व गोविंदगढ़ में नाला टूटने से अनेक मोहल्लों में बरसात का पानी भर गया है। वहीं, जीएमएस रोड स्थित लेन नंबर सात मोहित नगर में भी पुश्ता टूटने से कई घरों में पानी घुस गया है।

पिरूल से बिजली उत्पादन में रोजगार में बहुत संभावनाएं

निर्देश

■ वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दिया जायः मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सोमवार को सचिवालय में उरेडा द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वैकल्पिक ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाय। उरेडा द्वारा जो भी योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनका विकासखण्ड मुख्यालय पर होर्डिंग के माध्यम से प्रचार–प्रसार भी किया जाय।

पिरूल से बिजली उत्पादन के लिए स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ को कैसे जोड़ा जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। पर्वतीय जनपदों में दो–दो ब्लॉक ऐसे चिन्हित किये जाय, जहां पिरूल अधिक है। इन ब्लॉकों में मॉडल ब्लॉक के रूप में कार्य शुरू किये जाय। पिरूल से बिजली उत्पादन में रोजगार में बहुत संभावनाएं है। महिला स्वयं सहायता समूहों को और अधिक एक्टिव किया जाय। इसके लिए जनपद स्तर पर डीएफओ को नोडल अधिकारी बनाया जाय। पिरूल नीति से बिजली उत्पादन के साथ ही वनाग्नि की समस्या का समाधान भी होगा। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा जो बिजली के उपकरण बनाये जा रहे हैं, उनकी मार्केटिंग की व्यवस्था भी की जाय। विशेष उत्सवों एवं पर्वों पर सरकारी कार्यालयों में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिया जाय। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना की कार्ययोजना शीघ्र तैयार कर ली जाय। पंचायतीराज विभाग के माध्यम से ग्राम प्रधानों एवं अन्य जन प्रतिनिधियों के साथ समन्वय स्थापित किया जाए। इस योजना के लिए पूरा रोड मैप तैयार किया जाय। ग्रीन एनर्जी के कॉन्सेप्ट पर अधिक कार्य किया जाय।

ग्रीन सैस एक्ट पारित किया गया हैः निदेशक उरेडा

निदेशक उरेडा कैप्टन आलोक शेखर तिवाघरी ने कहा कि पिरूल नीति–2018 के अन्तर्गत ऊर्जा उत्पादन हेतु 1060 कि.वा. क्षमता की परियोजनाएं 36 विकासकर्ताओं को आवंटित की गई हैं। प्रदेश में वैकल्पिक योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु ग्रीन सैस एक्ट पारित किया गया है। प्रदेश के सभी जनपदों में केन्द्र पोषित योजना के अन्तर्गत 90 प्रतिशत अनुदान पर 19,655 सोलर स्ट्रीट लाईटों की स्थापना का कार्य चल रहा है। यह कार्य मार्च 2021 तक पूर्ण हो जायेगा।

प्रदेश के सरकारी आवासीय विद्यालयों में निवासरत छात्रों को गर्म पानी की सुविधा हेतु कुल 50500 ली. प्रतिदिन क्षमता के सोलर वाटर हीटिंग संयंत्र स्थापित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जनपदों में एक–एक गांव को "ऊर्जा दक्ष ग्राम" के रूप में विकसित किये जाने का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य दिसम्बर 2020 तक पूर्ण हो जायेगा। एलईडी ग्राम योजना के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस योजना के तहत प्रदेश की लगभग सभी 08 हजार ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाईट लगाने की योजना तैयार की जा रही है। प्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्युत की खपत में कमी करने के लिए सैकी के माध्यम से चयनित फर्मों द्वारा 1.899 पैसा प्रति यूनिट की दर पर सोलर पावर प्लान्ट लगाये जाने के लिए सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है।

39 मेगावाट के कार्य प्रगति पर हैंः सचिव ऊर्जा

सचिव ऊर्जा श्रीमती राधिका झा ने कहा कि प्रदेश में वैकल्पिक ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। सोलर में 272 मेगावाट के कार्य स्थापित हो चुके हैं, वर्ष 2019 –20 में 283 विकासकर्ताओं को 203 मेगावाट सौर परियोजनाएं आवंटित की गई है। जिसका कार्य मार्च 2021 तक पूर्ण हो जायेगा। लघु जल विद्युत के 202 मेगावाट के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, जबकि 1099 मेगावाट के कार्य प्रगति पर हैं। बायोमास एवं को–जनरेशन के क्षेत्र में 131 मेगावाट के कार्य पूर्ण हो चुके हैं, 39 मेगावाट के कार्य प्रगति पर हैं। नगरीय कूड़े करकट से विद्युत उत्पादन के लिए वेस्ट टू इनर्जी नीति का गठन किया गया है। इसके लिए शहरी विकास विभाग द्वारा निविदा की प्रक्रिया गतिमान है। 203 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजनाएं प्रदेश के स्थायी निवासियों को आवंटित की गई थी, कोविड–19 की वजह से इन परियोजनाओं के स्थापित होने में और समय लगेगा।

कुम्भ मेला की तैयारी नोटिफिकेशन से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश

निर्देश

■ कुम्भ मेला में जनसुविधाओं को देखते हुए सभी कार्य योजना बना लेंः कोशिक

देहरादून। **संवाददाता**

सचिवालय स्थित वीर चन्द्रसिंह गढ़वाली, सभागार में, हरिद्वार कुम्भ मेला 2021 में होने वाले कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुये, नगर विकास मंत्री मदन कौशिक ने हरिद्वार कुम्भ मेला 2021 की तैयारी नोटिफिकेशन से पूर्व पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि कुम्भ मेला में जनसुविधाओं को देखते हुए सभी कार्य योजना बना लें। दिसम्बर के बाद होने वाले नवीन कार्य को स्वीकृति न दी जाये। मंत्री ने कहा कि सड़क पर होने वाले, अंडरग्राउण्ड केबल का कार्य, गैस पाइप लाइन का कार्य, सीवरेज, पेयजल और विद्युत के कार्य, अमृत योजना, सिडकुल फोर लेन एवं आस्था पथ के कार्य 15 अक्टूबर तक पूर्ण कर लिए जायें। यूपीसीएल के प्रबन्ध निदेशक नीरज खैरवाल 12 अगस्त को हरिद्वार कुम्भ मेला क्षेत्र में अंडरग्राउण्ड केबल कार्यो का निरीक्षण करेंगे।

मंत्री ने कुम्भ कार्य में पारदर्शिता पर विशेष बल देते हुए कहा कि थर्डपार्टी मौके पर जाकर जांच करे, सैम्पल ले, एक्शन टेकेन रिपोर्ट दे। उन्होंने अधीक्षण अभियंता स्तर के अधिकारियों को कैम्प करने के लिए निर्देश दिये।

इस अवसर पर सचिव लोनिवि रमेश कुमार सुधांशु, सचिव शहरी विकास शैलेश बगोली, सचिव नितेश कुमार झा, सचिव राधिका झा, सचिव पर्यटन दिलीप जावलकर, सचिव (प्रभारी) चन्द्रेश कुमार एवं मेलाधिकारी दीपक रावत सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

प्रशासनिक अधिकारी समेत चार लोगों की मौत

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड में सोमवार कोरोना से चार और मरीजों ने दम तोड़ दिया। मृतकों की कुल संख्या 135 पहुंच गई है। दून मेडिकल कालेज चिकित्सालय में भर्ती देहरादून कलेक्ट्रेट के प्रशासनिक अधिकारी की कोरोना से मौत हो गई। देहरादून के जीएमएस रोड निवासी 57 वर्षीय प्रशासनिक अधिकारी में पांच अगस्त को कोरोना की पुष्टि हुई थी। उन्हें मधुमेह, निमोनिया आदि की भी समस्या थी। गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें आइसीयू में भर्ती किया गया था। सोमवार सुबह उन्होंने आखिरी सांस ली। वहीं, एम्स ऋषिकेश में भर्ती दो मरीजों की आज मौत हो गई है, जबकि रामपुर से आए एक मरीज ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। तीनों की कोविड रिपोर्ट पॉजिटिव है। बिजनौर यूपी निवासी 30 वर्षीय महिला को 19 जुलाई को एम्स में भर्ती कराया गया था। जांच के बाद महिला में कोरोना की पुष्टि हुई थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के. प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड, पी.ओ.–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।
फैक्स नं०–
0135-2650558
(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।